Department of Sanskrit & Physical Education
Hindu Kanya Mahavidyalaya, Jind
Event: Workshop on Research Methodology
8th February, 2024

On 8th February, 2024 under the joint aegis of Sanskrit and Physical Education Department of Hindu Kanya Mahavidyalaya, Jind a one-day workshop on the subject of 'Research Methodology' was organized under the chairmanship of principal of the college Dr. Punam Mor. The main speaker of the workshop was Dr. Manju Sangwan, Principal of Mahila Mahavidyalaya, Jhojhu Kalan (Charkhi Dadri). Starting her lecture in a very natural, simple and polite manner, the speaker told the students that research means searching for knowledge in any field or doing systematic exploration, i.e., discovering new things and re-examining old things and theories, so that new facts can be obtained, it is called research. Research is the name of that process or work in which new facts or theories are discovered by collecting facts consciously and systematically and carefully observing the facts with subtle intelligence. She provided detailed information to the students on the stages of research process like material collection, literature review, problem identification, selection of topic, determination of research methodology, making research proposal etc. On this occasion, program Convener Dr. Neelam Rani, Co-convener Mrs. Meena, Technical Assistant Ms. Surbhi had special contribution. President of the Management Committee of the college, Dr. Anshul Singla ji and other members congratulated the teachers and students of the department of Sanskrit & Physical Education for their commendable work.

Glimpses & Media Coverage of the Event

जींद केसरी

शुक्रवार FRIDAY 9 फरवरी 2024

शोध पद्धति पर कार्यशाला का आयोजन

जींद, 8 फरवरी (नितल): हिंदू कन्या महाविद्यालय के संस्कृत एवं शारीरिक शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान से एक दिवसीय 'शोध पद्धति' विषय पर कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. पूनम मोर की अध्यक्षता में किया। व्याख्यान की मुख्य वक्ता महिला महाविद्यालय झोझू कलां की प्राचार्या डॉ. मंजू सांगवान रहीं।

वक्ता ने अपना व्याख्यान बहुत ही सहज, सरल एवं विनम्रतापूर्वक आरंभ करते हुए छात्राओं को बताया कि अनुसंधान का अर्थ किसी भी क्षेत्र में ज्ञान की खोज करना या विधिवत गवेषण करना होता है अर्थात नवीन वस्तुओं की खोज और पुरानी वस्तुओं एवं सिद्धांतों का पुन: परीक्षण करना, जिससे की नए तथ्य प्राप्त हो सकें, उसे शोध कहते हैं।

कार्यक्रम में जानकारी देते हुए मुख्य वक्ता। (नितल)

शोध उस प्रक्रिया अथवा कार्य का नाम है जिसमें बोधपूर्वक तथ्यों का संकलन कर व्यवस्थित व सावधानीपूर्वक सूक्ष्म बुद्धि के तथ्यों का अवलोकन कर नए तथ्यों या सिद्धांतों का उद्घाटन किया जाता हैं। उन्होंने शोध प्रक्रिया के चरण सामग्री संकलन, साहित्य समीक्षा, समस्या की पहचान, विषय का चयन, शोध प्रविधि का निर्धारण, शोध प्रस्ताव बनाना इत्यादि पर विस्तृत जानकारी छात्राओं को प्रदान की। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजिका डॉ. नीलम रानी, सह-संयोजिका मीना, तकनीकी सहायिका सुश्री सुरभि का विशेष योगदान रहा।

जींद, शुक्रवार 9 फरवरी, 2024
www.jagatkranti.co.in

हिंदू कन्या महाविद्यालय में कार्यशाला आयोजित

जींद : हिंदू कन्या महाविद्यालय के संस्कृत एवं शारीरिक शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान से एक दिवसीय 'शोध पद्धति' विषय पर कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. पूनम मोर की अध्यक्षता में किया। व्याख्यान की मुख्य वक्ता महिला महाविद्यालय झोझू कलां की प्राचार्या डॉ. मंजू सांगवान रही। वक्ता ने अपना व्याख्यान बहुत ही सहज, सरल एवं विनम्रता पूर्वक आरंभ करते हुए छात्राओं को बताया कि अनुसंधान का अर्थ किसी भी क्षेत्र में ज्ञान की खोज करना या विधिवत गवेषण करना होता है अर्थात नवीन वस्तुओं की खोज और पुरानी वस्तुओं एवं सिद्धांतों का पुनः परीक्षण करना, जिससे की नए तथ्य प्राप्त हो सके, उसे शोध कहते हैं। शोध उस प्रक्रिया अथवा कार्य का नाम है जिसमें बोधपूर्वक तथ्यों का संकलन कर व्यवस्थित व सावधानी पूर्वक सूक्ष्म बुद्धि के तथ्यों का अवलोकन कर नए तथ्यों या सिद्धांतों का उद्घाटन किया जाता है। उन्होंने शोध प्रक्रिया के चरण सामग्री संकलन, साहित्य समीक्षा, समस्या की पहचान, विषय का चयन, शोध प्रविधि का निर्धारण, शोध प्रस्ताव बनाना इत्यादि पर विस्तृत जानकारी छात्राओं को प्रदान की।